विश्रुत

" ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्ठला विजये "

We are Energetic, Influential and are Always Committed

विश्रुत: विश्वविद्यालय मासिक पत्र

अंक १ माह: अगस्त 2024. क्रमांक १

मास का सुत्र

" 2025 तक, मेरा उद्देश्य एक ऐसा नेतृत्व तैयार करना है जो ईमानदारी और सहानुभूति के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करे, दूसरों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित करे, और जिन समुदायों की मैं सेवा करता हूँ, उन पर सार्थक और महत्वपूर्ण प्रभाव डाले। "

संपादकीय

भविष्य के स्तंभ–"शिक्षक" मार्गदर्शक प्रकाश

"शिक्षक भविष्य के निर्माता हैं, जो धैर्य, सहानुभूति और ईमानदारी के साथ युवा मन का मार्गदर्शन करते हैं। लगातार बदलती दुनिया में, उनकी भूमिका ज्ञान प्रदान करने से कहीं आगे तक फैली हुई है; वे बेहतर कल को आकार देते हुए प्रेरित करते हैं, पोषण करते हैं और नेतृत्व करते हैं।" -

डॉ. एस. राधाकृष्णन

शिक्षक दिवस के अवसर पर, हमें यह विचार करना चाहिए कि शिक्षकों की भूमिका हमारे भविष्य को आकार देने में कितनी महत्वपूर्ण है। एक अच्छा शिक्षक केवल एक शिक्षण साधन नहीं होता; वे समाज के भविष्य के निर्माता होते हैं। उनके धैर्य, सहानुभूति, ईमानदारी, और उत्साह जैसे गुण कालातीत हैं, और आज की तेजी से बदलती दुनिया में उनकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।

आज के परिदृश्य में, शिक्षक की भूमिका पारंपरिक सीमाओं से कहीं आगे बढ़ चुकी है। एक अच्छा शिक्षक केवल ज्ञान का संचारक नहीं होता; वे एक मार्गदर्शक, एक आदर्श होते हैं। उनका व्यक्तित्व ईमानदारी, धैर्य, सहानुभूति, और छात्रों के समग्र विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता में निहित होता है। प्रौद्योगिकी के इस युग में, जब परिवर्तन तेजी से हो रहे हैं, ये गुण पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। शिक्षकों को न केवल शैक्षणिक बल्कि अपने छात्रों के भावनात्मक और नैतिक विकास को भी आगे बढ़ाना चाहिए, जिससे उनमें सीखने के प्रति प्रेम और समाज के प्रति ज़िम्मेदारी की भावना पैदा हो सके।

इन चुनौतीपूर्ण समय में, जहाँ भविष्य अनिश्चित दिखाई देता है, शिक्षक की भूमिका भविष्य के निर्माण में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वे आशा की वह किरण हैं, जो युवा मन को एक बेहतर कल की ओर ले जाती है। आज जब हम अपने शिक्षकों का सम्मान करते हैं, तो हमें उनके अटूट समर्पण और हमारे जीवन एवं समाज पर उनके गहरे प्रभाव को स्वीकार करना चाहिए।

शिक्षक न केवल एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं बल्कि उन्हें जीवन के सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके द्वारा दिखाया गया मार्गदर्शन और प्रेरणा हमारे समाज को संवारने और आगे बढ़ाने में अमूल्य योगदान देता है। आइए, हम अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करें, और उनके द्वारा दी गई शिक्षा को अपने जीवन का मार्गदर्शक बनाएं।

वृतांत

वनमाली जी का 113वां जन्म दिवस

- डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी में 1 अगस्त 2024 को वनमाली जी का जन्म दिवस मनाया गया।
- कार्यक्रम में गौ पूजन, वृक्षारोपण, प्रार्थना सभा, और रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ।
- सायंकालीन कार्यक्रम में युवा कलाकारों को वनमाली सृजनपीठ की सदस्यता प्रदान की गई।

रोजगार मेला

- डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी में रोजगार मेला आयोजित किया गया।
- 18 प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया और 163 छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

कारगिल विजय दिवस

- भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान और वृक्षारोपण थीम "एक पेड़ माँ के नाम" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कार्यक्रम में विडियो फिल्म और वाचन का आयोजन हुआ।

एंटी रैगिंग सप्ताह

- 12 से 18 अगस्त तक एंटी रैगिंग सप्ताह मनाया गया।
- इस दौरान परिचय, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, फिल्म प्रदर्शन, और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

- डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय खंडवा में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया

RAWE Induction कार्यक्रम

- RAWE Induction कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 26 छात्रों को बुरहानपुर और 81 छात्रों को हरदा में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस

- 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस पर वॉलीबॉल और शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- फार्मेसी की टीम विजेता रही, फिट इंडिया की शपथ दिलाई गई, और खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

पूर्व छात्रों की बैठक:

- 31 अगस्त 2024 को पूर्व छात्रों की बैठक में "रामन पूर्व छात्र संगठन" के गठन की प्रक्रिया बताई गई।
- 17 प्रमोटर्स का चयन किया गया और उन्हें संगठन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सचिव के रुप में नियुक्त किया जाएगा।
- वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन पर कार्यशाला
- ·डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय खंडवा मे वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. डॉ. अरुण रमेश जोशी, कुलगुरु ,सीवीआरयू खंडवा,

प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी, कुलसचिव ,सीवीआरयू खंडवा,

कार्यकारी संपादक : प्रो.नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी

सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन

2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक

3. प्रो. योगेश महाजन , तकनीकी अधिकारी, कुलगुरु सचिवालय

संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल ,ग्राफिक डिजाइनर प्रकाशन विभाग

संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार , अध्ययनशाला समन्वयक आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग

विश्रुत

" ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये "
We are Energetic, Influential and are Always Committed

क्रीडा

विश्रुत: क्रीडा , सेवा, राष्ट्र प्रेम

युवाओं को खेलों में उत्कृष्टता के साथ सामाजिक विकास की ओर एक कदम

जनवीर टंट्या मामा स्पोर्ट्स अकादमी का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को क्रिकेट, हॉकी, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी और खो-खो जैसे खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करना है, और सामुदायिक एकता और युवा विकास को बढ़ावा देना है। अकादमी कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, ट्रैक और फील्ड तथा तीरंदाजी पर ध्यान केंद्रित करती है। स्थानीय संगठनों के साथ साझेदारी करके, अकादमी क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाओं को तैयार करती है , शारीरिक और नैतिक शिक्षा को बढ़ावा , और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करती है ।

अकादमी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरुप युवाओं के विकास को बढ़ावा देने के साथ , व्यावसायिकखेल करियर के अवसर प्रदान कर, क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देती है। अकादमी द्वारा कई गतिविधियो का आयोजान किया जाता है।

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन।
- 'हर घर त्याग' अभियान के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन।
- राष्ट्रीय खेल दिवस पर जिला शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन।
- अंतरविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन।
- विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम की राष्ट्रीय स्तर (पश्चिम क्षेत्र) क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान में भागीदारी।
- विश्वविद्यालय की महिला शतरंज टीम की भोपाल में राष्ट्रीय स्तर (पश्चिम क्षेत्र) प्रतियोगिता में भागीदारी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में छात्रों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एक स्वैच्छिक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना है। इसे भारत में 1969 में युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।

डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में 2019 से राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई का संचालन किया जा रहा है। एनएसएस छात्रों में सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है। प्रतिभागी स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर और साक्षरता कार्यक्रम जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हैं।

एनएसएस छात्रों में सहानुभूति और नागरिक जुड़ाव की भावना को बढ़ावा देता है। सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में शामिल होने से पहले एनएसएस स्वयंसेवक अभिविन्यास और प्रशिक्षण से गुजरते हैं। कार्यक्रम सामाजिक विकास के लिए निस्वार्थ सेवा के महत्व पर जोर देता है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सक्रिय रुप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। कुल मिलाकर, एनएसएस सामाजिक रुप से जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करने और सेवा की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में एनसीसी : छात्राओं के लिए नेतृत्व और अनुशासन का मंच

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) छात्राओं के लिए एक प्रभावी युवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य चरित्र निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। 2019 में स्थापित इस संगठन के तहत कैडेट सेना, नौसेना और वायु सेना के विंग में प्रशिक्षण पाते हैं, जो देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करता है।

एनसीसी कैडेटों ने तीन शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। जुलाई 2024 में 36 एमपी बटालियन द्वारा आयोजित प्री-नेशनल शूटिंग प्रतियोगिताओं में अक्षा सिद्दीकी का चयन हुआ, जिन्होंने इंटर शूटिंग स्पोर्ट्स में रजत पदक जीता और प्री नेशनल इंटर शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय के कैडेटों ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक हासिल किया, जो संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। एनसीसी कैडेट्स का यह योगदान उन्हें भविष्य के नेता के रुप में तैयार

शोध

ऋषि पाराशर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर स्कूल के प्राध्यापकों द्वारा अरबी के आटे से कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रा कम करने के प्रयोग में सफलता

खंडवा: डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा के ऋषि पाराशर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर स्कूल, के प्राध्यापकों द्वारा अनुसंधान प्रयोगशाला में वर्ष 2023-24 के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला अध्ययन किया गया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य अरबी की जड़ों से आटा बनाने की प्रक्रिया विकसित करना और उस आटे से अनुमापन विधि द्वारा कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रात्मक आकलन की व्यवस्थित प्रक्रिया तैयार करना था। साथ ही, इस प्रक्रिया से उपचारित पौधों में कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रा को कम करने की संभावनाओं का भी परीक्षण किया गया।

इस प्रयोग में विभिन्न उपचार संयोजनों का उपयोग कर अरबी के आटे से कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रा को कम करने के प्रयास किए गए। जांच के परिणाम से पता चला कि ' अरबी काटी गई + 5% $CaCl_2$ + ओवन में सुखाई गई ' (टी 9) उपचार संयोजन ने कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रा को कम करने में सबसे अधिक प्रभावी परिणाम दिए। इस संयोजन से कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रा में 63% की कमी देखी गई, जो कि नियंत्रण (अनुपचारित) संयोजन (टी 10) की तुलना में एक महत्वपूर्ण सुधार है।

शोध के मुख्य उद्देश्य:

- अरबी की जड़ों से आटा बनाने की प्रक्रिया का विकास।
- अरबी के आटे में अनुमापन विधि द्वारा कैल्शियम ऑक्सालेट के मात्रात्मक आकलन की व्यवस्थित प्रक्रिया का विकास।
- अरबी के आटे के विभिन्न उपचार संयोजनों के माध्यम से कैल्शियम ऑक्सालेट की मात्रा को कम करने की प्रक्रिया का आविष्कार।
- इस अध्ययन के सफल परिणामों से कृषि विज्ञान के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल सकती हैं, जो भविष्य में और भी अधिक अनुसंधान और विकास के लिए प्रेरित करेंगी।

नवाचार

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली में सी.वी. रमन विश्वविद्यालय का अनूठा योगदान

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय (आइसेक्ट समूह) ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के तहत एक महत्वपूर्ण नवाचार में योगदान दिया है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अरबी के छिलकों और डंठलों जैसे अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके पर्यावरण के अनुकूल हस्तनिर्मित कागज तैयार किया है। इस कागज के विभिन्न रुप न केवल गुणवत्ता में श्रेष्ठ हैं, बल्कि उनका रंग भी पूरी तरह से प्राकृतिक है, जो पर्यावरण पर किसी भी प्रकार का हानिकारक प्रभाव नहीं डालता। यह शोध कार्य विश्वविद्यालय की सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- इसका मुख्य उद्देश्य अरबी के बेकार छिलकों और डंठलों को पर्यावरण अनुकूल, लागत प्रभावी हस्तनिर्मित कागज में परिवर्तित करना है, साथ ही स्थायित्व, नवाचार और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देना है।

मेरी मॉरीशस यात्रा - एक संस्मरण

मॉरीशस की यात्रा मेरे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रही। विश्वरंग के कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु और विश्वरंग के सदस्य के रुप में वहाँ पहुंचना मेरे लिए गर्व का विषय था। भारत से दूर इस द्वीप पर उतरते ही वहाँ की संस्कृति और प्रकृति का अद्वितीय सौंदर्य मन मोह लेने वाला था।

मॉरीशस का विकास, उसकी हरियाली, स्वच्छता, और अनुशासित नागरिक जीवन ने मुझे विशेष रुप से प्रभावित किया। बिना शोर-शराबे के, सड़कों पर शांति और व्यवस्था थी, जो किसी स्वप्न लोक से कम नहीं था। वहाँ के लोग अपनी भाषा में वार्तालाप करते हुए, जब किसी भारतीय को देखते, तो अपनी जड़ों से जुड़ने की गहरी भावनाएँ प्रकट करते।

विश्वरंग के कार्यक्रम ने कला और संस्कृति के अनूठे संगम को दर्शाया, जहाँ विभिन्न कलाओं के माध्यम से जीवन के विविध पहलुओं को समझने और आत्मसात करने का अवसर मिला। इस यात्रा ने मुझे न केवल मॉरीशस की संस्कृति से परिचित कराया, बल्कि भारतीयता की गहरी छाप भी देखने को मिली, जो प्रवासी भारतीयों के दिलों में आज भी जीवित है।

यह यात्रा मेरे लिए संस्कृति, अनुशासन, और भारतीय मूल के लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव का एक अद्वितीय अनुभव बन गई।

विश्रुत

" ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये "

We are Energetic, Influential and are Always Committed

छात्र विविधका

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में छात्र वृंद: रचनात्मकता और नेतृत्व का केंद्र

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में स्थापित छात्र वृंद, छात्रों के समग्र विकास, रचनात्मकता और नेतृत्व को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह छात्र वृंद विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, सामुदायिक सेवा, और कौशल विकास कार्यशालाएँ शामिल हैं। ये गतिविधियाँ शैक्षणिक शिक्षा को नए आयाम प्रदान करती हैं।

छात्र वृंद का मुख्य उद्देश्य छात्रों के समग्र व्यक्तित्व का विकास करना है, ताकि वे अपनी प्रतिभाओं को निखार सकें, टीम वर्क की भावना को बढ़ावा दे सकें, और विश्वविद्यालय समुदाय में सक्रिय भूमिका निभा सकें। इसके विभिन्न पहलों के माध्यम से, छात्र वृंद विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के अनुभव को समृद्ध करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान में, निम्नलिखित छात्र वृंद संचालित किए जाते हैं और विभिन्न गतिविधियाँ करवाई जाती हैं:

- आयाम छात्र वृंद
- दक्ष प्रबंध छात्र वृंद
- जय विज्ञान छात्र वृंद
- कौशल छात्र वृंद
- रक्षक छात्र वृंद
- संकल्प छात्र वृंद
- संस्कार छात्र वृंद
- संस्कृति छात्र वृंद
- सेवा संजीवनी छात्र वृंद
- शुश्रुषा छात्र वृंद
- स्वामीनाथन अनुसंधान छात्र वृंद
- वणिक व्यवहार छात्र वृंद

ये छात्र वृंद विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर छात्रों के समग्र विकास में योगदान दे रहे हैं।

आजीविका

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा: ग्रामीण शिक्षा और रोजगार में अग्रणी भूमिका

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा, ग्रामीण छात्रों को सशक्त बनाने और उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीबी बैंक, और नर्चर.फार्म (यूपीएल) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में छात्रों के प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान की है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विशेष साक्षात्कार तैयारी और इंटर्नशिप प्रशिक्षण के माध्यम से, विश्वविद्यालय छात्रों को सफलता के लिए तैयार करता है, जिसके परिणामस्वरुप उन्हें 700,000 रुपये तक का उच्चतम वेतन पैकेज प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय, विभिन्न करियर अवसरों के माध्यम से छात्रों की रुचियों को पूरा करते हुए, ग्रामीण क्षेत्रों में आशा की किरण बनकर उभरा है, जिससे छात्र अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचकर सामुदायिक विकास में योगदान कर सकते हैं।

उल्लेखनीय प्लेसमेंट: डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय ने ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए उल्लेखनीय प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान की है, जिससे वे प्रतिष्ठित कंपनियों में उच्च वेतन के साथ नियुक्ति प्राप्त कर रहे हैं।

- 2 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय में रोजगार मेले का आयोजन हुआ, जिसमें 18 कंपनियों ने भाग लिया इस रोजगार मेले में कुल 570 प्रतिभागीसम्मिलित हुये ,163 छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया और 14 से अधिक प्रतिभिगियों को नियुक्त किया गया । इस आयोजन का नेतृत्व विश्वविद्यालय के टीपीओ श्री अभिलेश कोचले ने किया, जबकि उद्घाटन जिला रोजगार अधिकारी श्री लक्ष्मण सिंह सिलोटे और आइसेक्ट ग्रुप के प्लेसमेंट हेड श्री उद्दीपन चटर्जी द्वारा किया गया। कुलपति श्री अरुण जोशी ने कहा, "हमारा उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावसायिक कौशल में भी निपुण बनाना है।"

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED FOR QMS
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Madhya Pradesh, Khandwa AN AISECT GROUP UNIVERSITY
Approved by : MP. Govt., AICTE, NCTE, MP PARAMEDICAL COUNCIL, PCI Recognized by : UGC Member of : AIU
Connect With Us
University Campus : Village Balkhadsura, Post - Chhaigaon Makhan, Khandwa, Madhya Pradesh - 450771 Phone : 07320-247700/01